विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 9 नवंबर 2020

वर्ग पंचम राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित।

9. अशुद्धि - संशोधनम्

वाक्यों को शुद्ध करना एक विस्तृत विषय है। परंतु प प्रारम्भिक स्तर पर विद्यार्थियों की सुविधा के लिए अशुद्धि - संशोधन के कुछ ऐसे सरल नियम यहाँ दिए जा रहे हैं जिसके माध्यम से वासियों को शुद्ध करना उसके लिए कठिन नहीं होगा।

1. सर्वप्रथम वाक्य में अशुद्ध शब्द को देखें। और केवल अशुद्ध पद को ही सही करें, अन्य पदों से कोई छेड़छाड़ न करें।
2. यदि वाक्य में कर्ता सम्बन्धी दोष हो तो याद देखें की क्रिया किस पुरुष और वचन की है तत्पश्चात् उसी पुरुष बच्चन के कर्ता का प्रयोग करें; जैसे - आवाम् पठथः।

वाक्य में कर्ता पद को शुद्ध करने के लिए मध्यम पुरुष, द्विवचन का करता लगाया जाएगा क्योंकि क्रया मध्यम पुरुष द्विवचन की है। अतः शुद्ध वाक्य होगा - युवाम् पठथः।

3. यदि वाक्य में क्रिया सम्बन्धी दोष को दूर करना है तो कर्ता के पुरुष और विभक्ति को देखकर उसके अनुसार की क्रिया के पुरुष और वाक्य का प्रयोग करें; - बालकः क्रीडन्ति। इसी वाक्य में करता क्योंकि प्रथम पुरुष, एकवचन है इसीलिए क्रिया भी प्रथम पुरुष, एकवचन की ही प्रयोग होगी। अतः शुद्ध वाक्य होगा - बालकः क्रीडति।